पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

साहित्य साधकों को समर्पित रहा राज्यपाल का दिन

राज्यपाल को डॉ0 हरिओम ने कथा संग्रह 'तितलियों का शोर' भेंट किया

'चरैवेति! चरैवेति!!' का संस्कृत अनुवाद करने वाले प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र को राज्यपाल ने सम्मानित किया

'इण्डिया टूडे' के सम्पादक अंशुमन तिवारी ने राज्यपाल को अपनी पुस्तक भेंट की

लखनऊः 17 मार्च, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं सचिव सामान्य प्रशासन डॉ0 हरिओम ने अपनी नवीन कथा संग्रह 'तितलियों का शोर' भेंट किया। कथा संग्रह का प्रकाशन वाणी प्रकाशन द्वारा किया गया है। संग्रह में 11 अलग-अलग कथाएं हैं। उनके साथ उनकी पत्नी श्रीमती मालविका हरिओम भी उपस्थित थीं। डॉ0 हरिओम एक प्रशासनिक अधिकारी के साथ-साथ एक अच्छे कवि, गज़ल लेखक भी हैं जो गज़लों को गाते भी हैं। डॉ0 हरिओम को साहित्य क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित सम्मान भी प्रदान किये जा चुके हैं।

राज्यपाल से आज राजभवन में प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र ने शिष्टाचारिक भेंट की। राज्यपाल ने प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि डॉ0 मिश्र ने राज्यपाल श्री नाईक की पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का संस्कृत अनुवाद किया था और आज लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने आये थे। प्रोफेसर मिश्र के साथ उनके शिष्य एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ0 विपिन पाण्डेय ने स्वयं द्वारा सम्पादित पञ्चाङ्ग 'पत्रा पण्डित राम प्रसाद जी सिद्धान्ती' की प्रति राज्यपाल को भेंट की।

श्री नाईक से आज नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्त श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव ने राजभवन में शिष्टाचारिक भेंट की। इससे पूर्व राज्यपाल से 'इण्डिया टूडे' (हिन्दी) के सम्पादक श्री अंशुमन तिवारी ने भेंट की और अपनी पुस्तक 'लक्ष्मीनामा' (धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष की महागाथा) की प्रति भेंट की। पुस्तक का प्रकाशन ब्लूम्सबेरी प्रकाशन द्वारा किया गया। राज्यपाल ने श्री अंशुमन को अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति' की हिन्दी प्रति भेंट की।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन(106/21)

ज्यपाल
03-05-1996
19-07-1996
17-03-1998
19-04-1998
23-11-2000
03-07-2004
08-07-2004
27-07-2009
23-06-2014
22-07-2014
वर्तमान में